PAPER-III
BUDDHIST, JAINA, GANDHIAN & PEACE STUDIES

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.__________________________________

(In words)

J 6 0 1 1

Time : 2 $^1/_2$ hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

BUDDHIST, JAINA, GANDHIAN & PEACE STUDIES
बौद्ध, जैन, गाँधीवादी एवं शान्ति अध्ययन

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

SECTION – I
खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के दो निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Discuss the relevance of Eight-fold-Patha in the modern time.
आधुनिक समय में आर्य अष्टाङ्गिकमार्ग की प्रासङ्गिकता का विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Describe in detail the principle 'Ratnatraya' of Jainism.
जैन धर्म के 'रत्नत्रय' सिद्धान्त का विस्तार से विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Discuss the role of Satyagraha in the resolution of Conflicts.
टकराव के समाधान में सत्याग्रह की भूमिका का विवेचन कीजिए ।

2. Describe in detail the subject-matter of main texts of Vinayapitaka.
विनयपिटक के प्रमुख ग्रंथों की विषयवस्तु का विस्तार से विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Describe in detail the subject matter of – Samayasāra, Tiloyapaṇṇatti, Bhagavati Ārādhanā and Dravyasaṅgraha.
समयसार, तिलोयपण्णत्ति, भगवती आराधना एवं द्रव्यसंग्रह की विषयवस्तु का विस्तार से विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Explain Gandhi's message as contained in the book 'Hind Swaraj'.
'हिन्द स्वराज' पुस्तक में निहित गान्धीजी के सन्देश को स्पष्ट कीजिए ।

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each, to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खंड में **पन्द्रह-पन्द्रह** अंकों के **तीन (3)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. Discuss in detail the Buddhist Art and Architecture.
बौद्धकला एवं संरचना का विस्तार से विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Write a note on the life and thought of Lord Mahavira.
भगवान् महावीर के जीवन और चिन्तन पर एक टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा

"Education without character is an evil". Comment.
"चरित्र के बिना शिक्षा एक बुराई है ।" व्याख्या कीजिए ।

4. Give brief account of the Suttapitaka.
सुत्तपटिक का संक्षिप्त विवरण दीजिए ।

OR / अथवा

Describe the concept of substance and explain its kinds according to Jainism.
जैनधर्म के अनुसार द्रव्य का स्वरूप लिखिए और उसके भेदों की व्याख्या कीजिए ।

OR / अथवा

Examine Gandhi's concept of economic decentralization.
गान्धीजी की आर्थिक विकेन्द्रीयकरण की अवधारणा का परीक्षण कीजिए ।

5. Describe the status of women in Buddhist Literature.
बौद्ध साहित्य में स्त्रियों की स्थिति का विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Throw light on five vows of Jaina Householders.
जैन गृहस्थों के पाँच व्रतों पर प्रकाश डालिए ।

OR / अथवा

Discuss Gandhi's views on emancipation of women.
महिला उद्धार के सम्बन्ध में गान्धीजी के विचारों की विवेचना कीजिए ।

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Explain the term 'Samādhi'.
'समाधि' पद की व्याख्या कीजिए ।

OR / अथवा

Write a brief note on Lord Rishabhadeva.
भगवान् ऋषभदेव पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा

Write a short note on 'Peace Brigade'.
'शान्ति-सेना' पर एक संक्षिप्त लेख लिखिए ।

7. Define the word ‘Mahāyāna’.
‘महायान’ शब्द को परिभाषित कीजिए ।

OR / अथवा

Define the concept of ‘Jiva’ and ‘Pudgala’ according to Jainism.
जैनधर्म के अनुसार ‘जीव’ और ‘पुद्गल’ का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

OR / अथवा

“Truth and Non-violence are as old as hills” Comment.
“सत्य और अहिंसा उतने ही पुराने हैं जितने कि पहाड़ ।” व्याख्या कीजिए ।

8. Write a note on 'Suttanipāta'.

'सुत्तनिपात' पर टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा

Describe the subject matter of Jñātadharmakatha, Vipakasūtra, Niyamasāra and Samaraiccakaha.

ज्ञाताधर्मकथा, विपाकसूत्र, नियमसार एवं समराइच्चकहा की विषयवस्तु संक्षेप में लिखिए ।

OR / अथवा

Explain briefly the concept of Sustainable development.

टिकाऊ विकास की अवधारणा को संक्षिप्त रूप में स्पष्ट कीजिए ।

9. What for is Elora famous ? Clarify.
एलोरा किस लिए प्रसिद्ध है ? स्पष्ट कीजिए ।

OR / अथवा

What is the contribution of Acharya Umaswati to Jainism ? Explain.
आचार्य उमास्वाति का जैन धर्म को क्या योगदान है ? स्पष्ट करें ।

OR / अथवा

Explain briefly the concept of Rama Rajya.
संक्षिप्त रूप में रामराज्य की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ।

10. Define Buddha's Non-Violence.

बुद्ध की अहिंसा को परिभाषित करें ।

OR / अथवा

Write a short note on Āgamavācanās in Jaina literature.

जैन साहित्य में आगम वाचनाओं पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा

"Untouchability is a blot on Hinduism". Explain.

"अस्पृश्यता हिन्दुधर्म पर एक कलंक है ।" स्पष्ट कीजिए ।

11. What is the meaning of 'Ariya' in Buddhism ?
बौद्धधर्म में 'अरिय' का क्या अर्थ है ?

OR / अथवा

Explain the concept of Anekāntavāda and Syādvāda.
अनेकान्तवाद एवं स्याद्वाद के स्वरूप की व्याख्या कीजिए ।

OR / अथवा

State briefly the concept of Peace.
शान्ति की अवधारणा का संक्षिप्त विवरण दीजिए ।

12. Write the main features of the Jataka.
जातक की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

OR / अथवा

Explain the significance of Charity according to Jainism.
जैनधर्म के अनुसार दान के महत्त्व की व्याख्या कीजिए ।

OR / अथवा

What do you mean by non-cooperation ? Explain.
असहयोग से आपका क्या अर्थ है ? स्पष्ट कीजिए ।

13. What is the place of women in the society according to Buddha ? Comment.
बुद्ध के अनुसार समाज में स्त्रियों का क्या स्थान है ? टिप्पणी कीजिए ।

OR / अथवा

Write a short note on Jaina temples of Khajuraho.
खजुराहो के जैन मंदिरों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा

Explain the doctrine of deterrence.
अवरोधक सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए ।

14. What are Buddha's views on Ideal society ? Discuss.

आदर्श समाज के विषय में बुद्ध के क्या विचार हैं ? प्रकाश डालिए ।

OR / अथवा

Write a short note on the significance of Ahimsā to environment-protection.

पर्यावरण संरक्षण के लिए अहिंसा के महत्त्व पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा

State briefly Gandhi's views on Nature cure.

प्राकृतिक निदान के सम्बन्ध में गान्धीजी के विचारों का संक्षेप में उल्लेख करें ।

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words. **(5 × 5 = 25 marks)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Any serious political philosophy boasts a grounding in practical experience in history; non-violence is no exception. In examining case histories in non-violent action, one notices a difference between those who accepted non-violence as an unassailable principle and other who, though they might recognize non-violence as a morally preferable method of struggle, opted for non-violence over violence for tactical or practical reasons. Tactically, non-violence is a political weapon that, unlike violence, may be used by all, including the poor, dispossessed, and oppressed, without need for arms and ammunition. But non-violence is more than a tactic for demonstrations and civil disobedience. Voting (or not voting), strikes, community organizing and canvassing, education, electing candidates to public office – all these are examples of non-violent tactics for social change.

प्रत्येक समर्थ राजनैतिक दर्शन इतिहास के व्यावहारिक अनुभव को एक आधार भूमि प्रदान करता है, अहिंसा भी इससे भिन्न नहीं है । उदाहरण स्वरूप अहिंसक अभियान के इतिहास में व्यक्ति इन दो के बीच में यह अन्तर अनुभव करता है, एक वे जो अहिंसा को तर्कहीन सिद्धान्त स्वीकार करते हैं और दूसरे वे जो अहिंसा को संघर्ष का एक नैतिक तरीका मानते हैं और हिंसा पर अहिंसा को एक चतुराई और व्यवहार का कारण मानते हैं । होशियारी पूर्वक अहिंसा उसके लिए एक राजनैतिक हथियार है, जो हिंसा को पसंद नहीं करता और यह उन सब के द्वारा उपयोग किया जा सकता है, जिसमें गरीब, साधन-हीन एवं दलित भी सम्मिलित हैं, जो हथियार और युद्ध-सामग्री नहीं जुटा सकते, किन्तु अहिंसा चतुराईपूर्ण प्रदर्शन और सविनय अवज्ञा से ऊपर है । मतदान (या मतदान नहीं), हड़ताल, समुदाय संगठन और प्रचार, शिक्षा, पब्लिक पदों के लिए चुनाव, ये सभी सामाजिक परिवर्तन के लिए अहिंसक रणनीति के उदाहरण हैं ।

15. Can non-violence claim to have a grounding in practical experience in history ?
क्या अहिंसा इतिहास में व्यावहारिक अनुभव का धरातल प्राप्त करती है ?

16. What are the different ways of accepting non-violence as evidenced in the case histories in non-violent action ?
अहिंसक अभियान के उदाहरणों में अहिंसा को अपनाने के विभिन्न तरीके क्या हैं ?

17. What are the advantages of non violence as a political weapon ?
अहिंसा को राजनीतिक हथियार बनाने के क्या लाभ हैं ?

18. Enlist the techniques by which non-violent tactics can be used as a means for social change.
सामाजिक परिवर्तन हेतु अहिंसक रणनीति को अपनाने की पद्धतियों का उल्लेख कीजिए ।

19. What is the central message you derive out of this passage ? Explain.
इस अनुच्छेद का केन्द्रीय सन्देश क्या है ? स्पष्ट कीजिए ।

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....